भारत सरकार

पोत परिवहन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **825** जिसका उत्तर

गुरूवार, **17 सितंबर**, 2020/26 भाद्रपद, 1942 (शक) को दिया जाना है

विमानपत्तन उद्योग की वृद्धि दर

†**825. श्री पी० रविन्द्रनाथ कुमार:**

क्या **पोत परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान विश्व में देश-वार विमानपत्तन उद्योगों की तुलना में देशभर में विमानपत्तन उद्योग की वार्षिक वृद्धि दर का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का राष्ट्रीय समुद्रीय विकास कार्यक्रम (एनएमडीपी) के माध्यम से स्वदेशी विमानपत्तन उद्योग के विकास को बढ़ाने का विचार है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) उन बंदरगाहों की सूची क्या है जो निजीकरण की दिशा में "सागरमाला" कार्यक्रम योजना के अनुमोदित कार्यान्वयन के दायरे में है और इसके कार्यान्वयन के लिए क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है?

उत्तर

पोत परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री मनसुख मांडविया)

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान वैश्विक नौवहन उद्योग की तुलना में देशभर में नौवहन उद्योग की वार्षिक वृद्धि दर का ब्योरा देश-वार निम्नानुसार है:-

(i) भारतीय अथवा विदेशी ध्वज जलयानों पर नियुक्त भारतीय समुद्रकर्मियों की कुल संख्या में हुई वृद्धि निम्नानुसार है:

वर्ष	नियुक्त समुद्रकर्मियों की संख्या	वृद्धि %
2017	154349	7.23
2018	208799	35.27
2019	234886	12.49

नियुक्त समुद्रकर्मियों के आंकड़े देश-वार नहीं रखे जाते।

(ii) भारतीय ध्वज के तहत जलयानों की संख्या 01.04.2017 की स्थिति के अनुसार 1313 से बढ़कर 01.04.2020 तक 1431 हो गई है।

(iii) भारतीय ध्वज के तहत जलयानों का टनेज 01.04.2017 की स्थिति के अनुसार 11.55 एम.टी से बढ़कर 01.04.2020 तक 12.68 एम.टी हो गया है। पिछले तीन वर्षों के दौरान जलयानों की संख्या और टनेज दर्शाते हुए तुलनात्मक स्थिति निम्नानुसार है :-

की स्थिति के अनुसार	तटीय		विदेशी		कुल	
	जलयानों की संख्या	सकल टनेज	जलयानों की संख्या	सकल टनेज	जलयानों की संख्या	सकल टनेज
01.04.2017	908	1.52एमटी	405	10.02एमटी	1313	11.55एमटी
01.04.2018	934	1.48एमटी	448	11.10एमटी	1382	12.58एमटी
01.04.2019	947	1.50एमटी	458	11.28एमटी	1405	12.78एमटी
01.04.2020	975	1.48एमटी	456	11.20एमटी	1431	12.68एमटी

(iv) इंडियन नेशनल शिपओनर्स एसोसिशन द्वारा यथानिर्धारित भारत में नौवहन उद्योग की वृद्धि दर के साथ वैश्विक नौवहन उद्योग की वृद्धि दर निम्नानुसार है :-

वर्ष 2018-2020 के दौरान विश्व और भारत में वृद्धि दर (1000 डी.डब्लयू.टी में)

देश	1 जनवरी, 2018	1 जनवरी, 2019	1 जनवरी, 2020
विश्व बेड़ा	1833549	1881589	1961597
% वृद्धि	3.45	2.6	4.3
भारतीय बेड़ा	18792	19175	19372
% वृद्धि	9.86	2.04	1.03

(ख) एवं (ग): नौवहन उद्योग को और अधिक आकर्षक और प्रतिस्पर्धी बनाने के उद्देश्य से सरकार ने हाल ही के वर्षों में विभिन्न उपाय किए हैं। इन उपायों में भारतीय ध्वज जलयानों में प्रयोग होने वाले बंकर ईंधन पर जीएसटी को 18% से घटाकर 5% करना; पहले अस्वीकार करने के अधिकार (आर ओ एफ आर) के माध्यम से भारतीय नौवहन उद्योग को कार्गो सहायता प्रदान करना; भारत में स्थित नौवहन उद्यमों को विदेश में पोत अर्जित करने और अपनी सुविधा के किसी भी देश में संचालित करने की अनुमति देना; भारतीय ध्वज पोतों पर तैनात भारतीय समुद्रकर्मियों की कर-प्रणाली विदेशी ध्वज पोतों पर तैनात समुद्र कर्मियों की तुलना में समान करना; कृषि तथा अन्य वस्तुओं, उर्वरक, भरे हुए एक्जिम ट्रांसशिपमेंट कंटेनरों तथा खाली कंटेनरों के तटीय आवागमन को प्रोत्साहित करने के लिए विदेश में पंजीकृत पोतों की चार्टरिंग के लिए लाइसेंसिंग अपेक्षा को समाप्त करना आदि शामिल है।

(घ) निजीकरण की दिशा में 'सागरमाला' कार्यक्रम के अनुमोदित कार्यान्वयन के दायरे में कोई भी महापत्तन शामिल नहीं है।

******